Shri Bala Stotram 4

श्रीबालास्तोत्रम् ४

Document Information

Text title : Shri Bala Stotram 4

File name : bAlAstotram4.itx

Category : devii, dashamahAvidyA, devI

Location : doc_devii

Proofread by : PSA Easwaran

Description/comments : bAlAsaparyA saparyAkrama-nAmAvalI-stotrAdisaNgrahaH

Latest update : March 21, 2020

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

February 3, 2023

sanskritdocuments.org

श्रीबालास्तोत्रम् ४

वेलातिलङ्घ्य करुणे ! विबुधेन्द्रवन्द्ये
    लीलाविनिर्मितचराचरहृन्निवासे ।
मालाकिरीटमणिकुण्डलमण्डिताङ्गे
    बालाम्बिके ! मयि निधेहि कृपाकटाक्षम् ॥ १॥

कञ्जासनादि मणिमञ्जुकिरीटकोटि
    प्रत्युप्तरत्नरुचिरञ्जितपादपद्मे ।
मञ्जीरमञ्जुलविनिर्जितहंसनादे
    बालाम्बिके मयि निधेहि कृपाकटाक्षम् ॥ २॥

प्रालेयभानुकलिकाकलितातिरम्ये
    पादाग्रजावलिविनिर्जितमौक्तिकाभे ।
प्राणेश्वरि ! प्रथमलोकपते ! प्रजानां
    बालाम्बिके ! मयि निधेहि कृपाकटाक्षम् ॥ ३॥

जङ्घादिभिर्विजितचित्तजतूणीभागे
    रम्भादिमार्दवकरीन्द्रकरोरुयुग्मे ।
शम्पाशताधिकसमुज्ज्वलचेललीले !
    बालाम्बिके! मयि निधेहि कृपाकटाक्षम् ॥ ४॥

माणिक्यमौक्तिकविनिर्मितमेखलाढ्ये
    मायाविलग्नविलसन्मणिपट्टबन्धे ।
लोलम्बराजिविलसन्नवरोमजाले
    बालाम्बिके ! मयि निधेहि कृपाकटाक्षम् ॥ ५॥

न्यग्रोधपल्लवतलोदरनिम्ननाभे
    निर्धूतहारविलसत्कुचचक्रवाके ।
निष्कादिमञ्जुमणिभूषणभूषिताङ्गे
    बालाम्बिके! मयि निधेहि कृपाकटाक्षम् ॥ ६॥

कन्दर्पचापमदभङ्गकृतातिरम्ये
    भ्रूवल्लरीविविधचेष्टितरम्यमाने ।
कन्दर्पसोदरसमाकृतिभालदेशे
    बालाम्बिके ! मयि निधेहि कृपाकटाक्षम् ॥ ७॥

मुक्तावलीविलसदूर्मितकुम्बुकण्ठे
    मन्दस्मिताननविनिर्मितचन्द्रबिम्बे ।
भक्तेष्टदाननिरतामृतपूर्णदृष्टे
    बालाम्बिके ! मयि निधेहि कृपाकटाक्षम् ॥ ८॥

कर्णावलम्बिमणिकुण्डलगण्डभागे
    कर्णान्तदीर्घनवनीरजपत्रनेत्रे ।
स्वर्णायकादिगुणमौक्तिकशोभिनासे
    बालाम्बिके ! मयि निधेहि कृपाकटाक्षम् ॥ ९॥

लोलम्बराजिललितालकजालशोभे
    मल्लीनवीनकलिकानवकुन्दजाले ।
भालेन्दुमञ्जुलकिरीटविराजमाने
    बालाम्बिके ! मयि निधेहि कृपाकटाक्षम् ॥ १०॥

बालाम्बिके ! महाराज्ञि विद्या(वैद्य)नाथप्रियेश्वरि ! ।
पाहि मामम्ब! कृपया त्वत्पादं शरणं गतः ॥ ११॥

इति श्रीबालास्तोत्रं (४) सम्पूर्णम् ।

Proofread by PSA Easwaran

Shri Bala Stotram 4

pdf was typeset on February 3, 2023

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*